

>

Title : Regarding strike by doctors in hospitals in Delhi.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : हम बहुत ही गंभीर और संवेदनशील सवाल उठा रहे हैं। दिल्ली के सभी अस्पतालों में हड़ताल चल रही है।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Certain norms have to be followed.

... (Interruptions)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम सदन के नेता से आग्रह करेंगे कि वे भी इस गंभीर सवाल को सुनें। हम चाहेंगे कि वे रिस्पॉंस करें। ... *I

अध्यक्ष महोदय : यह पोर्शन निकाल दिया जाए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हमने कोई अनपार्लियामेंट्री लैंग्वेज नहीं बोली है।

अध्यक्ष महोदय : अनपार्लियामेंट्री लैंग्वेज नहीं है फिर भी हमें तरीके से हाउस चलाना है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल उठा रहे हैं। दिल्ली के अस्पतालों में हड़ताल की वजह से पूरी दिल्ली अस्त-व्यस्त हो गई है। मरीज चाहे दिल्ली के रहने वाले हों या बाहर के रहने वाले हों, जो यहां इलाज करवाने आए हैं, उनमें अफरा-तफरी मची हुई है। अखबारों में बराबर निकल रहा है कि चिकित्सकों के सही ढंग से देखभाल नहीं करने के कारण दो लोग मर गए, चार लोग मर गए, विभिन्न अस्पतालों का इस तरह का समाचार प्रतिदिन आ रहा है। सफदरजंग अस्पताल के संबंध में एक और गंभीर समाचार आया है कि एक शिशु को उसने मृत घोषित कर दिया। जब उसे शमशान ले जाया गया तब वह वहां जिन्दा था। उसे वे लोग फिर से दिखाने के लिए ले आए। उसे दुबारा मृत घोषित किया गया तब उसे दफनाया गया। यह घटना आरक्षण के सवाल को लेकर घटी है। हम आरक्षण के पक्ष और विपक्ष में कुछ नहीं बोलना चाहते। लेकिन अखबारों में निकल रहा है कि अर्जुन सिंह जी लगातार तीर चला रहे हैं। पता नहीं वे किस पर तीर चला रहे हैं - श्री प्रणब मुखर्जी पर चला रहे हैं या मनमोहन सिंह जी पर चला रहे हैं - यह हमें मालूम नहीं है, लेकिन यह तीर गांव के गरीबों को जरूर लग रहा है। जो लोग यहां इलाज करवाने आते हैं, इलाज के अभाव में सड़कों पर तड़प रहे हैं, लेकिन उनके इलाज की कोई व्यवस्था नहीं हो रही है। हम सांसदों का आवास एक मिनी अस्पताल की तरह बन चुका है। सारे मरीज अस्पताल से भाग-भागकर आ रहे हैं। कोई कहता है कि हमें भोजन नहीं करना बनता है, कोई कहता है कि इलाज की

* Not Recorded.

जरूरत है। कहां से इलाज करवाया जाए, इसका यहां कोई हिसाब नहीं हो रहा है।

हम आपके माध्यम से निवेदन करेंगे कि इसे सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। अगर चिकित्सक हड़ताल से वापिस नहीं लौटते तो सेना के चिकित्सकों को बुलाकर दिल्ली में इलाज की व्यवस्था करवानी चाहिए। साथ ही हम आप ही के माध्यम से अर्जुन सिंह जी से निवेदन करना चाहते हैं कि वे तीर जो चला रहे हैं, उस तीर से कोई घायल हो या न हो, अर्जुन सिंह जी तुरंत जख्मी होने वाले हैं। इसलिए वे अपने इलाज की व्यवस्था करा लेनी चाहिए और मरीजों के इलाज की व्यवस्था सरकार को करा लेनी चाहिए, यही मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Sir, I have also given notice on this issue.

MR. SPEAKER: Would you like to respond on this issue?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I just want to mention that I am concerned, and I share the concern of the hon. Member. I have noted his suggestions.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, the situation is very much grave today.

MR. SPEAKER: Mr. Tripathy, your notice was received after the stipulated time.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : There is nation-wide outrage over this issue. There was police brutality on the striking medical students. This is the reason that the entire Indian Medical Association ... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will not allow the plea in future that "I can give notice today." I am not going to allow violation of the rules from tomorrow. I have been very very accommodative. I will do it for the institution.